M.A. Hindi

(W.E.F. Academic Session 2024-2025 onwards)

Pandit Deendayal Upadhyaya Shekhawati University

Sikar (Rajasthan) 332024

E-mail: reg.shekhauni@gmail.com

Website: www.shekhauni.ac.in

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

Curriculum Structure

Session 2024-2025 onwards

Name of the Programme: Master of Hindi

Year: First | **Semester: I (Pawas)**

	Course Code	Course Title	Contact Hrs per Week			Credits	Weightage (%)		
			L	T	P		CW$	MTE	ETE
Pawas Semester I	**Discipline Specific Core (DSC):**								
	24MHL9101T	हिंदी साहित्य का इतिहास	4	0	0	4	10	20	70
	24MHL9102T	प्राचीन एवं निर्गुण काव्य	4	0	0	4	10	20	70
	24MHL9103T	मध्यकालीन काव्य	4	0	0	4	10	20	70
	24MHL9104T	भारतीय काव्यशास्त्र	4	0	0	4	10	20	70
	Discipline Specific Elective(DSE):								
	24MHL9105T	कबीर	4	0	0	4	10	20	70
	OR								
	24MHL9106T	लोक साहित्य	4	0	0	4	10	20	70
	Value Added Course(VAC):								
	---	---	2	0	0	2	10	20	70
	Seminar/Internship/Apprenticeship/Project/Community Outreach (S/I/A/P/C):								
	---	---	--	--	--	--	--	--	--
		Total				22			

S.N.	Summary: I Semester (Pawas) Particulars	Credits
1.	Discipline Specific Core(DSC):	16
2.	Discipline Specific Elective (DSE):	04
3.	Value Added Course (VAC):	02
4.	Seminar/Internship/Apprenticeship/Project/Community Outreach (S/I/A/P/C):	00
	Total	22
	$CW (Class work): It would include attendance, class test/quiz test/assignments, ppt, play, learn by fun activities etc.	

Note: VAC to be selected from the list of courses for PG, given on University website.

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

Curriculum Structure										
Session 2024-2025 onwards										
Name of the Programme: Master of Hindi										
Year: First							Semester:II (Vasant)			
Vasant Semester II	Course Code	Course Title	Contact Hrs per Week			Credits	Weightage (%)			
			L	T	P		CW$	MTE	ETE
	Discipline Specific Core (DSC):									
	24MHL9201T	आधुनिक हिंदी काव्य (द्विवेदी काल से छायावादी काल तक)	4	0	0	4	10	20	70
	24MHL9202T	हिंदी आलोचक एवं आलोचना	4	0	0	4	10	20	70
	24MHL9203T	कथा साहित्य: उपन्यास एवं कहानी	4	0	0	4	10	20	70
	24MHL9204T	हिंदी नाटक और रंगमंच	4	0	0	4	10	20	70
	Discipline Specific Elective(DSE):									
	24MHL9205T	दलित साहित्य	4	0	0	4	10	20	70
	OR									
	24MHL9206T	प्रेमचंद	4	0	0	4	10	20	70
	Value Added Course(VAC):									
	---	---	2	0	0	2	10	20	70
	Seminar/Internship/Apprenticeship/Project/Community Outreach (S/I/A/P/C):									
	---	---	--	--	--	--	--	--	--
		Total				22			

Summary: II Semester (Vasant)		Credits
S.N.	Particulars	
1.	Discipline Specific Core(DSC):	16
2.	Discipline Specific Elective (DSE):	04
3.	Value Added Course (VAC):	02
4.	Seminar/Internship/Apprenticeship/Project/Community Outreach (S/I/A/P/C):	00
	Total	22
$CW (Class work): It would include attendance, class test/quiz test/assignments, ppt, play, learn by fun activities etc.		

Note: VAC to be selected from the list of courses for PG, given on University website.

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

प्रथम सेमेस्टर

उदेश्य (Objectives)

1. हिन्दी साहित्य के इतिहास के विभिन्न धाराओं, आन्दोलनों, नामकरण की समस्याओं की जानकारी प्रदान करना।
2. साहित्य के प्रति आलोचनात्मक एवं संवेदनशील दृष्टि व व्यक्तित्व का विकास करना।
3. साहित्य के सौन्दर्य, कला तथा वैचारिक मूल्यों के प्रति विवेक का निर्माण करना।
4. समकालीन साहित्य के विविध रूपों एवं विमर्शों के माध्यम से युगबोध कराना।

अधिगम प्रतिफल (Learing Outcomes)

1. हिन्दी साहित्येतिहास के लेखन की परम्परा और उपलब्ध सामग्री की जानकारी प्राप्त होगी।
2. समकालीन विमर्श के प्रति आलोचनात्मक दृष्टिकोण का विकास होगा।
3. साहित्य एवं समाज के सम्बंध को ठीक से समझ सकेंगे।
4. युगबोध एवं मूल्यों की समझ विकसित होगी।

Course Title:	हिन्दी साहित्य का इतिहास	Course Code: 24MHL9101T
Total Lecture hour 60		Hours
इकाई 1	हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा हिंदी साहित्य का काल विभाजन एवं नामकरण आदिकाल की पृष्ठभूमि आदिकालीन साहित्य – नाथ, सिद्ध एवं जैन साहित्य, रासो काव्य, और अमीर खुसरो।	15
इकाई 2	भक्ति आंदोलन के उदय के सामाजिक–सांस्कृतिक कारण, भक्ति काव्य के प्रमुख संप्रदाय, निर्गुण–सगुण कवि और उनके काव्य की विशेषताएं।	15
इकाई 3	रीतिकाल की पृष्ठभूमि, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृतियां, रीतिबद्ध, रीति सिद्ध, रीतिमुक्त, रीति कवियों का आचार्यत्व, रीतिकाल के प्रमुख कवि और उनके काव्य की विशेषताएं।	15
इकाई 4	आधुनिक काव्य:भारतेंदु युग का काव्य,द्विवेदीयुगीन काव्य, छायावादी काव्य,प्रगतिवाद, प्रयोगवाद,नई कविता, साठोत्तरी कविता, समकालीन कविता आदि।	15
अनुशंसित ग्रंथ		
1	हिन्दी साहित्य का इतिहास– आचार्य रामचंद्र शुक्ल	
2	हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास– डॉ. नगेन्द्र	
3	हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास– डॉ. बच्चन सिंह	
4	हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास– डॉ. गणपति चंद्र गुप्त	
5	हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास– रामस्वरूप चतुर्वेदी	

उदेश्य (Objectives)

1. प्राचीन कवियों की भाषा शैली एवं उनके काव्य में निहित सौन्दर्य को समझने की कला का विकास करना।
2. प्राचीन साहित्य में निहित मूल्यों एवं युगबोध को समझने की दृष्टि विकसित करना।
3. भक्तिकालीन संत साहित्य में निहित भक्ति तत्वों के माध्यम से जीवन मूल्यों एवं जीवन

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

दृष्टि का विकास करना।

4. साहित्य को समझने के लिए आलोचनात्मक दृष्टिकोण उत्पन्न करना।

अधिगम प्रतिफल (Learing Outcomes)

1. प्राचीन एवं निर्गुर्ण कवियों को समझने के लिए आलोचनात्मक दृष्टि का विकास होगा।
2. समकालीन समाज के मूल्यों एवं दृष्टिकोण की समझ बढ़ेगी।
3. भक्तिकालीन विविध धारणाओं, परम्पराओं आदि में अंतर कर करने की सामर्थ्य का विकास होगा।

Course Title:	प्राचीन एवं निर्गुण काव्य	Course Code: 24MHL9102T
Total Lecture hour 60		
		Hours
इकाई 1	चंदबरदाईः संक्षिप्त पृथ्वीराज, संपादकः हजारी प्रसाद द्विवेदी, शशिवृता विवाह प्रस्ताव से 1से 20 छंद	15
इकाई 2	विद्यापति की पदावली–संपादक शिव प्रसाद सिंह,से पद संख्या 1 से 2	15
इकाई 3	ढोला मारू रा दूहा –कुशलराय, संपादकः डॉक्टर शंभू सिंह मनोहर, दोहा संख्या 1 से 25	15
इकाई 4	कबीरः आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, पद संख्या 1 से 25	15
अनुशंसित ग्रंथ		
1	विद्यापति – डॉ. आनंद प्रकाश दीक्षित	
2	कबीर – विजेंद्र स्नातक	
3	कबीर साहित्य की परख – गोविंद त्रिगुणायत	
4	उत्तरी भारत की संत परंपरा – परशुराम चतुर्वेदी	
5	हिंदी काव्यधारा – राहुल सांकृत्यायन	
6	आदिकालीन हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक पीठिका – डॉ राम मूर्ति त्रिपाठी	

उदेश्य (Objectives)

1. भारतीय समाज और सांस्कृतिक जीवन के विभिन्न पक्षों में अन्तर्निहित एकता के तत्त्वों की पहचान कराना।
2. मध्यकालीन साहित्य की भाषा और कवियों के दृष्टिकोण को समझने के लिए विवेचनात्मक एवं आलोचनात्मक दृष्टि का विकास करना।
3. मध्यकालीन साहित्य में निहित कला और सौन्दर्य को समझनें के योग्य बनाना।
4. मध्यकाल के विभिन्न सम्प्रदायों की विभिन्न दार्शनिक पृष्ठभूमि का ज्ञान कराना।

अधिगम प्रतिफल (Learing Outcomes)

1. भारतीय समाज और सांस्कृतिक जीवन के विभिन्न पक्षों में अन्तर्निहित एकता के तत्त्वों की पहचान कर सकेंगे।
2. मध्यकाल के विभिन्न सम्प्रदायों की विभिन्न दार्शनिक पृष्ठभूमि का ज्ञान होगा।
3. आलोचनात्मक दृष्टिकोण का विकास होगा।
4. साहित्य के विभिन्न पड़ावों एवं आन्दोलनों की जानकारी प्राप्त होगी।

Course Title:	मध्यकालीन काव्य	Course Code: 24MHL9103T
Total Lecture hour 60		
		Hours
इकाई 1	भ्रमरगीत सार – संपादक रामचंद्र शुक्ल--पद संख्या 160 से 200 तक	15
इकाई 2	विनय पत्रिका – गीता प्रेस, गोरखपुर-- (पद संख्या 71 से 90 तक)	15

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

इकाई 3	बिहारी सतसई – जगन्नाथ दास रत्नाकर--(20 से 60 तक)	15
इकाई 4	घनानंद कवित्त – आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र वाणी वितान, प्रकाशन (पद संख्या 21 से 40)	15
अनुशंसित ग्रंथ		
1	उदयभानु सिंह – तुलसी काव्य मीमांसा	
2	हरवंश लाल शर्मा सूर और उनका साहित्य	
3	बच्चन सिंह – बिहारी का नया मूल्यांकन	
4	मनोहर लाल गौड – घनानंद और स्वछंद काव्यधारा	
5	जगन्नाथ दास रत्नाकर – बिहारी रत्नाकर	
6	नरोत्तम दास स्वामी– मीरा मुक्तावली	

उदेश्य (Objectives)
1. साहित्य के बारे में भारतीय चिन्तन के प्रति समझ का करना।
2. भारतीय काव्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धान्तों की जानकारी प्रदान करना।
3. भारतीय काव्यशास्त्र की समृद्ध परम्परा का ज्ञान कराना।
4. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धान्तों के प्रति आलोचनात्मक दृष्टिकोण का विकास करना।

अधिगम प्रतिफल (Learing Outcomes)
1. भारतीय ज्ञान की परम्पराओं का बोध होगा।
2. संस्कृत भाषा में साहित्य चिन्तन की जानकारी का बोध होगा।
3. साहित्य की आलोचना और मूल्यांकन की दृष्टि का विकास होगा।
4. हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषाओं में साहित्य चिन्तन की जानकारी हो सकेगी।

Course Title:	भारतीय काव्यशास्त्र	Course Code: 24MHL9104T
Total Lecture hour 60		Hours
इकाई 1	भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहास एवं रस संप्रदाय।	15
इकाई 2	ध्वनि सिद्धांत	15
इकाई 3	रीति एवं अलंकार संप्रदाय	15
इकाई 4	वक्रोक्ति एवं औचित्य सिद्धांत	15
अनुशंसित ग्रंथ		
1	बलदेव उपाध्याय – भारतीय साहित्य शास्त्र	
2	डॉ नगेंद्र – भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा	
3	डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित – रस सिद्धांतः स्वरूप और विश्लेषण	
4	डॉ नगेंद्र – रस सिद्धांत	
5	डॉ भगीरथ मिश्र – काव्यशास्त्र	
6	डॉ राममूर्ति त्रिपाठी – काव्य तत्त्व विमर्श	

उदेश्य (Objectives) कबीर के जीवन, साहित्य, दर्शन और उनके साहित्यिक अवदान से परिचय।

अधिगम प्रतिफल (Learing
1. कबीर के जीवन, साहित्य और दर्शन का बोध।
2. कबीर के साहित्यिक अवदान की समझ का बोध।

Dy. Registrar Pandit Deendayal Upadhyaya Shekhawati University, Sikar(Rajasthan)

Outcomes)
3. कबीर के साहित्यिक सरोकारों एवं मूल्यों का बोध।
4. कबीर चिन्तन की भारतीय लोक जीवन में उपस्थिति का बोध।

Course Title:	कबीर	Course Code: 24MHL9105T
Total Lecture hour 60		Hours
इकाई 1	कबीर अध्ययन की समस्याएं:' पारंपरिक काव्यशास्त्र और कबीर का कवित्व, कबीर पंथ का विकास।	15
इकाई 2	कबीर का काव्यात्मक व्यक्तित्वः कबीर के काव्य में रहस्यवाद, आध्यात्मिक खोज, सामाजिक आलोचना,	15
इकाई 3	कबीर की काव्यभाषा की विशेषताएं।	15
इकाई 4	निर्धारित पाठ्यांश–कबीर ग्रंथावली – संपादक श्यामसुंदर दास– साखी भाग – प्रथम तीन अंक।	15
अनुशंसित ग्रंथ		
1	हजारी प्रसाद द्विवेदी – कबीर	
2	परशुराम चतुर्वेदी – उत्तरी भारत की संत परंपरा	
3	नामवर सिंह – दूसरी परंपरा की खोज	
4	रघुवंश – कबीरः एक नई दृष्टि	
5	धर्मवीर – कबीर के आलोचक	
6	डॉ. सरनाम सिंह शर्मा : कबीरः एक विवेचन	

उदेश्य (Objectives)
1. लोक कथा साहित्य एवं विमर्श से परिचय कराना।
2 लौकिक संस्कृति में लोक कथाओं की जानकारी प्राप्त कराना।
2. लोक कथाओं में निहित लौकिक एवं सांस्कृतिक सौन्दर्य की पहचान कराना।
3. राजस्थान की लोक कथाओं से परिचय।

अधिगम प्रतिफल (Learing Outcomes)
1. लोक साहित्य की अवधारणा की समझ।
2. लोक साहित्य की विविध विधाओं की समझ।
3. राजस्थान के लोक साहित्य एवं लोक कवियों से परिचय।
4. लोक संस्कृति एवं साहित्य की आलोचनात्मक समझ में अभिवृद्धि।

Course Title:	लोक साहित्य	Course Code: 24MHL9106T
Total Lecture hour 60		Hours
इकाई 1	लोक वार्ता और लोक साहित्य परिभाषा, प्रकृति, क्षेत्र तथा महत्व, लोकमानस, लोक संगीत, लोक	15
इकाई 2	संस्कृति, रीति रिवाज एवं परंपराएं।	15
इकाई 3	लोक साहित्य की विभिन्न रूपों का वर्गीकरण, लोक गाथा – परिभाषा एवं वर्गीकरण एवं विशेषताएं,	15
इकाई 4	ढोला मारू, गोपीचंद, नल दमयंती, लैला–मजनू, आल्हा, लोकगीत, श्रम गीत, संस्कार गीत, ऋतु गीत, देवी–देवताओं से संबंधित लोकगीत।	15

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

अनुशंसित ग्रंथ	
1	भारतीय लोकगीत सांस्कृतिक अस्मिता – सुरेश गौतम
2	भारतीय लोक साहित्य – श्याम परमार
3	लोक साहित्य की सांस्कृतिक परंपरा – मनोहर शर्मा
4	लोक साहित्य का विज्ञान – धीरेंद्र वर्मा
5	लोकगीत पाठ एवं विमर्श – सत्य प्रिय पांडेय
6	लोक साहित्य की भूमिका – कृष्ण देव उपाध्याय
7	लोक का आलोक – पियूष दहिया
8	लोक साहित्य की प्रतिमान – कुंदन लाल उप्रेती
9	लोक साहित्य विज्ञान – डॉ. सत्येन्द्र
10	राजस्थानी लोक साहित्य का सैद्धांतिक विवेचन – सोहन दान चारण

द्वितीय सेमेस्टर

उदेश्य (Objectives)

1. आधुनिक हिन्दी काव्य (द्विवेदी काल से छायावाद काल तक) से परिचय कराना।
2. आधुनिक हिन्दी काव्य शिल्प, संवेदना एवं सामाजिक सरोकारों से परिचय कराना।
3. आधुनिक हिन्दी कविता के काव्य वैशिष्ट्य का ज्ञान कराना।
4. भारतीय नवीन चिन्तन से परिचित कराना।

अधिगम प्रतिफल (Learing Outcomes)

1. आधुनिक हिन्दी कविता और मध्यकाल की कविता के काव्य वैशिष्ट्य में तुलनात्मक अध्ययन करने की क्षमता में अभिवृद्धि।
2. हिन्दी कविता के नवजागरण और राष्ट्रीय आन्दोलनों के सम्बंधों का बोध।
3. भारतीय नवीन दार्शनिक चिन्तन का बोध।
4. हिन्दी कविता की पृष्ठभूमि का बोध एवं आधुनिक हिन्दी कवियों से परिचय।

Course Title:	आधुनिक हिंदी काव्य (द्विवेदी काल से छायावादी काल तक)	Course Code: 24MHL9201T
Total Lecture hour 60		
इकाई 1	मैथिलीशरण गुप्त – साकेत (नवम् सर्ग)	Hours
इकाई 2	जयशंकर प्रसाद – कामायनी (चिंता, श्रद्धा और लज्जा)	15
इकाई 3	सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'–कुकुरमुत्ता एवं राम की शक्ति पूजा।	15
इकाई 4	सुमित्रानंदन पंत – परिवर्तन, नौका विहार। महादेवी वर्मा – मैं नीर भरी दुःख की बदली, जाग तुझको दूर जाना।	15 15

अनुशंसित ग्रंथ	
1	डॉ दुर्गा प्रसाद ओझा – आधुनिक हिंदी कविता
2	डॉ रामविलास शर्मा – निराला की साहित्य – साधना
3	डॉ नगेंद्र – सुमित्रानंदन पंत
4	विश्वनाथ प्रसाद तिवारी – समकालीन हिंदी कविता
5	छायावाद – नामवर सिंह
6	छायावाद–युग – शंभूनाथ सिंह
7	मुक्तिबोध– कामायनीः एक पुनर्विचार
8	डॉ नागेंद्र – कामायनी एक अध्ययन

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

9	डॉ नगेंद्र – साकेत एक अध्ययन
10	डॉ द्वारिका प्रसाद सक्सेना – कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन

उदेश्य (Objectives)

1. हिन्दी आलोचना के उद्‌भव एवं विकास की जानकारी प्रदान कराना।
2. हिन्दी आलोचना के विविध सिद्वान्तों से परिचय कराना।
3. हिन्दी के आलोचकों का परिचय एवं उनकी आलोचना पद्धति की विशिष्टताओं का ज्ञान कराना।

अधिगम प्रतिफल (Learing Outcomes)

1. समीक्षा की आलोचनात्मक समझ में अभिवृद्धि।
2. साहित्यालोचना की क्षमता का विकास।
3. हिन्दी आलोचना के विकास और विभिन्न आलोचकों की आलोचना दृष्टि से परिचय हो सकेगा।
4. शोधात्मक दृष्टि का विकास।

Course Title:	हिंदी आलोचक एवं आलोचना	Course Code: 24MHL9202T
Total Lecture hour 60		Hours
इकाई 1	हिंदी आलोचना का उद्‌भव एवं विकास– सैद्धांतिक, व्यवहारिक, प्रगतिवादी, मनोविश्लेषणवादी आलोचना और नई समीक्षा	15
इकाई 2	आलोचक रामचंद्र शुक्ल और हजारी प्रसाद द्विवेदी	15
इकाई 3	आलोचक रामविलास शर्मा और नगेंद्र	15
इकाई 4	आलोचक मुक्तिबोध और नामवर सिंह	15
अनुशंसित ग्रंथ		
1	आधुनिक हिंदी आलोचना की बीज शब्द– डॉ बच्चनसिंह	
2	आलोचना के मान – शिवदान सिंह चौहान	
3	इतिहास और आलोचना–नामवर सिंह	
4	आलोचक की आस्था – डॉ नगेंद्र	
5	आलोचना से आगे – सुधीश पचौरी	
6	आलोचना की आधुनिकता – शिवकरण सिंह	
7	हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह	
8	सिद्धांत और अध्ययन – डॉ गुलाब राय	
9	साहित्यालोचन – डॉ श्यामसुंदर दास	
10	काव्य के रूप – डॉ गुलाब राय	
11	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिंदी आलोचना – डॉ रामचंद्र तिवारी	

उदेश्य (Objectives)

1. कथा सहित्य के अध्ययन की दृष्टि का विकास करना।
2. हिन्दी कहानी और उपन्यास से परिचित कराना।
3. कहानी और उपन्यास की समीक्षा करने की दृष्टि का विकास करना।
4. उपन्यास और कहानी के अध्ययन के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों, परम्पराओं एवं समस्याओं का ज्ञान कराना।

अधिगम प्रतिफल

1. हिन्दी उपन्यास और कहानी की समझ विकसित हो सकेगी।

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya Shekhawati University, Sikar(Rajasthan)

(Learing Outcomes)

2. भारतीय मध्यवर्ग, किसान और अन्य वर्गों की उपन्यासों एवं कहानियों में उपस्थिति का बोध ।
3. उपन्यास और कहानी की विशिष्टता का बोध।
4. हिन्दी कहानियों एवं उपन्यासों की संरचना एवं शिल्प का बोध।
5. उपन्यास और कहानियों के अध्ययन से आलोचनात्मक दृष्टि का विकास होगा।

Course Title:	कथा साहित्यः उपन्यास एवं कहानी	Course Code: 24MHL9203T
Total Lecture hour 60		
		Hours
इकाई 1	उपन्यास–गोदान – प्रेमचंद	15
इकाई 2	उपन्यास–मैला आंचल – फणीश्वर नाथ रेणु	15
इकाई 3	उपन्यास –त्यागपत्र – जैनेन्द्र कुमार	15
इकाई 4	कहानी– 1. आंधी – जयशंकर प्रसाद 2. बड़े भाई साहब – प्रेमचंद 3. रोज – अज्ञेय 4. खोई हुई दिशाएं – कमलेश्वर 5. जहां लक्ष्मी कैद है – राजेंद्र यादव 6. सिक्का बदल गया – कृष्णा सोबती 7. प्रेत मुक्ति – शैलेष मटियानी 8. परिंदे – निर्मल वर्मा 9. मुखौटा – ममता कालिया	15
अनुशंसित ग्रंथ		
1	उपन्यास की रचना प्रक्रिया – परमानंद श्रीवास्तव	
2	गोदान नया परिप्रेक्ष्य – डॉ गोपाल राय	
3	प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्प विधान – कमल किशोर गोयनका	
4	मैला आंचल की रचना प्रक्रिया – डॉ देवेश ठाकुर	
5	कहानीकार जैनेंद्र कुमार पुनर्विचार – मधुरेश	
6	जैनेंद्र कुमार त्यागपत्र! आलोचनात्मक दृष्टि – सं चंद्रशेखर राम	
7	कहानी नई कहानी – डॉ नामवर सिंह	

उदेश्य (Objectives)

1. हिन्दी नाटक एवं रंगमंच से परिचय कराना।
2. हिन्दी नाटक और भारतीय प्राचीन नाट्य परम्परा का ज्ञान कराना।
3. हिन्दी के प्रमुख नाटकों के हस्ताक्षरों का ज्ञान कराना।
4. हिन्दी रंगकर्म के विभिन्न पहलुओं से परिचय कराना।

अधिगम प्रतिफल (Learing Outcomes)

1. नाटक एवं रंगमंचीय अध्ययन की आलोचना की दृष्टि का विकास।
2. हिन्दी नाटक एवं रंगमंच के विविध पहलुओं का बोध।
3. नाटकों में निहित मानवीय मूल्यों के प्रति संवेदनाओं का विकास।
4. नाटक लेखन और उसके प्रस्तुतिकरण के विभिन्न पहलुओं के बारे में समझ विकसित होगी।
5. नाटकों के अध्ययन से आलोचनात्मक दृष्टि का विकास हो सकेगा।

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

Course Title:	हिंदी नाटक और रंगमंच	Course Code: 24MHL9204T
Total Lecture hour 60		Hours
इकाई 1	नाट्य और नाट्यशास्त्र, हिंदी नाटक का विकास, हिंदी रंगमंच की परंपरा और नए प्रयोग –पद्धतियां और रंग शैली	15
इकाई 2	नाटक–स्कंद गुप्त – जयशंकर प्रसाद	15
इकाई 3	नाटक–आषाढ़ का एक दिन – मोहन राकेश	15
इकाई 4	नाटक– 1. अंधेर नगरी – भारतेंदु हरिश्चंद्र 2. हानूश – भीष्म साहनी	15
अनुशंसित ग्रंथ		
1	हजारी प्रसाद द्विवेदी – नाट्य शास्त्र और भारतीय परंपरा	
2	दशरथ ओझा – हिंदी नाटकः उद्‌भव और विकास	
3	जयदेव तनेजा – समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच	
4	गोविंद चातक – आधुनिक नाटक का मसीहा	
5	नेमीचन्द्र जैन (सं) आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच	

उदेश्य (Objectives)

1. साहित्य विभिन्न विमर्शों की जानकारी प्रदान करना और उनके चिन्तन के प्रति संवेदनशीलता का विकास करना।
2. दलित साहित्य के सौन्दर्य को समझने के दृष्टिकोण का विकास करना।
3. भारतीय सामाजिक संरचना की जानकारी प्रदान करना।
4. सामाजिक विसंगतियों और मूल्यों के प्रति आलोचनात्मक दृष्टिकोण का विकास करना।
5. दलितों द्वारा भोगी गई पीड़ा के प्रति संवेदनशी दृष्टिकोण विकसित करना।

अधिगम प्रतिफल (Learing Outcomes)

1. दलित विमर्श के सिद्धान्तों से परिचय का बोध होगा।
2. दलित साहित्य के उद्‌भव एवं पृष्ठभूमि का बोध।
3. दलित साहित्य की विविध विधाओं के साहित्य का परिचय प्राप्त होगा।
4. दलित सौन्दर्यशास्त्र की आलोचनात्मक समझ का विकास हो सकेगा।

Course Title:	दलित साहित्य	Course Code: 24MHL9205T
Total Lecture hour 60		Hours
इकाई 1	दलित साहित्य के आंदोलन के उदय की पृष्ठभूमि एवं दलित का आशय, दलित की अवधारणा, दलित साहित्य के सरोकार, स्वानुभुति एवं सहानुभुति साहित्य का परिचयात्मक रेखांकन	15
इकाई 2	कविताएं :– ओमप्रकाश वाल्मीकि – शायद आप जानते हो, ठाकुर का कुआं कंवल भारती– 'तब तुम्हारी निष्ठा क्या होती', शम्बूक डॉ सुशीला टाकभौरे – 'सपने सज जाएंगे', 'लौट आओ तुम'	15
इकाई 3	कथा साहित्य : कहानियां –1. मोहन दास नैमिशराय– अपना गांव 2. सूरजपाल चौहान – बदबू 3. सत्यप्रकाश – दलित ब्रहाण उपन्यास–जयप्रकाश कर्दम – छप्पर	15

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

इकाई 4	आत्मकथाः कौशल्या बैसन्त्री– दोहरा अभिशाप नाटकः माता प्रसाद – वीरांगना झलकारी बाई	15
अनुशंसित ग्रंथ		
1	ओमप्रकाश वाल्मीकि – दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र	
2	कंवल भारती – दलित विमर्श की भूमिका	
3	डॉ धर्मवीर – कबीर बाज भी, कपोत भी, पपीहा भी	
4	अभय कुमार दुबे (सं) – आधुनिकता के आईने में दलित	
5	डॉ. विवेक कुमार– दलित समाजः पुरानी समस्याएं नई आकांक्षाएं	
6	रमणिका गुप्ता– स्त्री नैतिकता का तालिबीकरण	
7	रमणिका गुप्ता (सं.)– दलित चेतना सोच	
8	डॉ. पुरुषोत्तम अग्रवाल – संस्कृतः वर्चस्व और प्रतिशोध	
9	रमणिका गुप्ता (सं.) – दलित कहानी संचयन	

उद्देश्य (Objectives)	प्रेमचंद के जीवन, साहित्य और दर्शन और उनके साहित्यिक अवदान से परिचय कराना।
अधिगम प्रतिफल (Learing Outcomes)	1. प्रेमचंद के जीवन, साहित्य और दर्शन का बोध। 2. प्रेमचंद के साहित्यिक अवदान की समझ विकसित होगी। 3. प्रेमचंद के कथा साहित्य में निहित जीवन मूल्यों एवं सरोकारों का बोध। 4. नव जागरण एवं राष्ट्रीय आन्दोलन में हिन्दी साहित्य के योगदान का बोध होगा।

Course Title:	प्रेमचंद	Course Code: 24MHL9206T
Total Lecture hour 60		
		Hours
इकाई 1	प्रेमचंद की जीवनी उसके कुछ विवादास्पद पक्ष प्रेमचंद की साहित्य की यात्रा और उसका युग संदर्भ	15
इकाई 2	प्रेमचंद और किसान प्रश्न प्रेमचंद और राष्ट्रवाद प्रेमचंद और स्त्री प्रश्न प्रेमचंद और दलित प्रश्न प्रेमचंद और सांप्रदायिक प्रश्न	15
इकाई 3	रंगभूमि अथवा सेवा सदन का विशेष आलोचनात्मक अध्ययन	15
इकाई 4	कुछ विशिष्ट कहानियों का आलोचनात्मक अध्ययन – 1. कफन 2. पूस की रात 3. सद्गति 4. ईदगाह 5. बूढ़ी काकी 6. मुक्ति मार्ग 7. दो बैलों की कथा	15
अनुशंसित ग्रंथ		
1	अमृत राय – कलम का सिपाही	
2	रामविलास शर्मा – प्रेमचंद और उसका युग	
3	मन्मथनाथ गुप्त –प्रेमचंदः व्यक्ति और साहित्यकार	
4	श्री नारायण पांडे – प्रेमचंद का संघर्ष	
5	नंददुलारे वाजपेयी – प्रेमचंदः एक साहित्यिक विवेचन	

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)